जूनो जनरल इंश्योरेंस ने उद्योग में पहली बार इलेक्ट्रिक वाहन एड-ऑन कवर की शुरुआत की

बिजनेस रेमेडीज/मुंबई। जूनो जनरल इंश्योरेंस, एक नए जमाने की डिजिटल बीमा कंपनी, ने आज बीमा उद्योग में पहली बार इनोवेटिव इलेक्ट्रिक वाहन (EV) एड-ऑन कवर की शुरुआत की। यह क्रांतिकारी प्रस्ताव विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए व्यापक सुरक्षा प्रदान करने और उनकी विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। गतिशीलता का भविष्य इलेक्ट्रिक है, और जूनो इस दिशा में उन्नत बीमा समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो इलेक्ट्रिक वाहन के मालिकों को मानसिक शांति के साथ व्यापक सुरक्षा प्रदान करता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की विशिष्ट विशेषताओं को पहचानते हुए, जूनो ने उद्योग में पहली बार ईवी ऐड-ऑन कवर की एक श्रेणी को विकसित किया है, जो मोटर बीमा के परिदृश्य को नए रूप में सोचने में मदद करेगा।

जूनो जनरल इंश्योरेंस के ईवी ऐड-ऑन कवर को इसकी मानक निजी कार पॉलिसियों के पूरक और विशेष रूप से इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समझदारी से डिज़ाइन किया गया है। अपनी तरह की पहली पॉलिसी सुविधाओं के साथ, ईवी ऐड-ऑन कवर में ईवी मालिकों के लिए एक मजबूत और अनुरूप बीमा कवरेज सुनिश्चित करने के लिए तीन आवश्यक घटक शामिल किये गये हैं:

निजी चार्जिंग स्टेशन कवर (उद्योग में पहली बार)

आकस्मिक क्षति और चोरी से बचाव के लिए चार्जिंग केबल, कनेक्टर, एडेप्टर और सभी मानक चार्जिंग सहायक उपकरण शामिल करने के लिए कवरेज को बढ़ाया जाना। निजी स्वामित्व वाले चार्जिंग स्टेशनों के लिए व्यापक कवरेज, जिसका उपयोग केवल बीमाकृत वाहनों को चार्ज करने, उन्हें आग, चोरी और आकस्मिक क्षति से बचाने के लिए किया जाता है - जो इस उद्योग में पहली बार है।

व्यक्तिगत दुर्घटना कवर - इसे ईवी मालिकों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए एक अगली योगदान के रूप में जोड़ा गया है (उद्योग में पहली बार) बीमाकृत वाहन को चार्ज करते समय अपने प्राइवेट चार्जिंग स्टेशन पर आग, विस्फोट या शॉर्ट सर्किट के परिणामस्वरूप चोट या मृत्यु के मामलों के लिए ग्राहक के पास व्यक्ति गत दुर्घटना कवरेज को जोड़ने का विकल्प होगा।

बैटरी कवरेज: अपने बीमाकृत वाहन की बैटरी चार्ज करते समय या चार्जिंग स्टेशन पर पार्क करते समय आग, सेल्फ-इग्निशन या शॉर्ट सर्किट के कारण होने वाले नुकसान या क्षति के लिए कवरेज प्रदान करना ((मार्केट में पहली बार) बीमाकृत जोरिम/शॉर्ट सर्किट के कारण पानी घुसने से बैटरी या बैटरी के हिस्सों में होने वाले परिणामकारी नुकसान के लिए बैटरी सुरक्षा। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, श्नाई घोष, एमडी और सीईओ, जूनो जनरल इंश्योरेंस ने कहा, 'ईवी ऐड-ऑन कवर की शुरूआत ईवी आधारित मोटर बीमा पोर्टफोलियो बनाने के हमारे रणनीतिक उद्देश्य के अनुरूप है। हमारा इलेक्ट्रिक वाहन ऐड-ऑन बीमा कवर इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाई गई उद्योग-प्रथम सुविधाओं को पेश करता है।'

ग्राहकों की इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने में बढ़ती रुचि के साथ, मानसिकता में यह परिवर्तन उद्योग में एक जबरदस्त परिवर्तन लेकर आएगा। हमारा लक्ष्य नवीन, उद्योग-प्रथम ऐड-ऑन की पेशकश करके इस परिवर्तन का समर्थन करना है।

ये पेशकशें न केवल अधिक लोगों को आत्मविश्वास के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों को लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगी, बल्कि व्यापक रूप से इलेक्ट्रिक वाहन को अपनाने, बीमा प्रथाओं को फिर से परिभाषित करने और हमारे ग्राहकों के अनुभवों को आसान बनाने में भी अपना योगदान देंगी, 'श्नाई ने कहा। ईवी ऐड-ऑन कवर को प्रस्तुत करके, जूनो डिजिटल इंश्योरेंस जगत में सबसे आगे चल रहा है, यह सुविधित करते हुए कि ग्राहकों के पास भविष्य के वाहनों के लिए नवाचारी और व्यापक समाधान तक पहुंच हो।

निसान ब्रिटेन में इलेक्ट्रिक वाहन बनाने के लिए एक अरब पाउंड का निवेश करेगी

बिजनेस रेमेडीज/लंदन। वाहन बनाने वाली कंपनी निसान पूर्वोत्तर इंग्लैंड में अपनी दो सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों के इलेक्ट्रिक संस्करण बनाने के लिए अपने कारखाने को आधुनिक रूप देने को लेकर एक अरब पाउंड (1.3 अरब अमेरिकी डॉलर) से अधिक का निवेश करेगी।यह ब्रिटिश सरकार के लिए एक बड़ी राहत की बात है जो देश की सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था में फिर से जान फूंकने की कोशिश कर रही है। जापानी वाहन विनिर्माता कंपनी संडरलैंड स्थित कारखाने में पेट्रोल से चलने वाले कश्काई और छोटे जूक कॉसओवर वाहन बनाती है। इस कारखाने में 6000 लोग काम करते हैं। कंपनी ने कहा कि वह दोनों मॉडल के इलेक्ट्रिक संस्करण बनाने के लिए 1.12 अरब पाउंड तक का निवेश कर रही है।

सरकार की ओर से अलग से जारी एक बयान में कहा गया है कि यह राशि बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं तथा परियोजना स्थल पर एक नई विनिर्माण सुविधा सहित आपूर्ति श्रृंखला में निवेश की जाएगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा, ''निसान का निवेश ब्रिटेन के वाहन उद्योग में भरोसे को दर्शाता है।

एचपी इंडिया गेमिंग लैंडस्केप स्टडी 2023 के अनुसार भारत में बढ़ रहे हैं गेमिंग के क्षेत्र में आय और करियर के अवसर

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली। भारत में ईस्पोर्ट्स इंडस्ट्री में हो रही प्रगति ने देश के गेमर्स को बहुत फायदा पहुंचाया है। अब उनके पास इस इंडस्ट्री में करियर के अवसर बढ़े हैं और उन्हें ज्यादा आय पाने का मौका भी मिल रहा है। एचपी इंडिया गेमिंग लैंडस्केप स्टडी 2023 में यह बात सामने आई है। इस अध्ययन में 15 शहरों के 3,000 गेमर्स को शामिल किया गया। इसमें सामने आया कि आनंद और सुकून के साथ-साथ गेमर्स अब गेमिंग की मदद से पैसा और पहचान भी कमा रहे हैं। इस अध्ययन में पहली बार 500 अभिभावकों को भी शामिल किया गया। इसमें सामने आया कि पिछले कुछ साल में भारत में गेमिंग को लेकर माता-पिता की सोच में भी सकारात्मक बदलाव आया है। एचपी इंडिया मार्केट की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर इप्सिता दासगुप्ता ने कहा, 'भारत वैश्विक स्तर पर तीसरा पीसी गेमिंग देश बनकर सामने आया है। इस विकास के साथ कदम मिलाते हुए हम लगातार इनोवेशन एवं अत्याधुनिक टूल्स की मदद से गेमर्स को सशक्त एवं सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अध्ययन से हमें गेमिंग की दुनिया को गहराई से समझने का मौका मिला है और गेमर्स के उत्साह एवं उनकी महत्वाकांक्षा की तस्वीर भी सामने आई है।'

गेमिंग से बढ़ रही है आय

भारत में 2022 की तुलना में इस साल गेमिंग से आय बढ़ी है। अध्ययन में हिस्सा लेने वाले करीब आधे सीरियस गेमर्स ने बताया कि गेमिंग से उन्हें सालाना 6 से 12 लाख रुपये तक की कमाई हो रही है।

नई भूमिकाओं पर है गेमर्स की नजर

स्पॉन्सरशिप और ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट आय का उल्लेखनीय स्रोत बनकर सामने आए हैं, जिससे गेमिंग कम्युनिटी की बढ़ती महत्ता भी सामने आ रही है। भारत में गेमिंग इंडस्ट्री गेमर्स को कई करियर विकल्पों में हाथ आजमाने का मौका भी दे रही है। अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों ने बताया कि गेमर होने के अलावा भविष्य में वे इन्फ्लूएंसर के रूप में या ईस्पोर्ट्स मैनेजमेंट में करियर पर भी नजर बनाए हुए हैं। एचपी इंडिया मार्केट के सीनियर डायरेक्टर - पर्सनल सिस्टम्स विक्रम बेदी ने कहा, 'यह देखना उत्साहजनक है कि ईस्पोर्ट्स इंडस्ट्री बढ़ रही है और इससे गेमर्स को कई तरह के करियर के विकल्प भी मिल रहे हैं। हमें विश्वास है कि भारतीय युवाओं में न केवल देश को ग्लोबल ईस्पोर्ट्स एरेना बनाने की क्षमता है, बल्कि वे इस इंडस्ट्री में उद्यमिता के अवसर भी सृजित कर सकते हैं। एचपी में हम एचपी गेमिंग गैराज जैसी पहल के माध्यम से उनके विकास में मदद कर रहे हैं और नए गेमर्स को प्रोत्साहित कर रहे हैं।'

गेमिंग को लेकर सकारात्मक हो रहा है अभिभावकों का नजरिया

अध्ययन में शामिल 42 प्रतिशत अभिभावकों ने गेमिंग को शौक के रूप में स्वीकृति दी। 40 प्रतिशत अभिभावकों ने माना कि पिछले कुछ साल में गेमिंग को लेकर उनकी सोच में सकारात्मक बदलाव आया है। ऐसा विशेष रूप से इस इंडस्ट्री में हो रही प्रगति के कारण हुआ है।

विविध

वित्त वर्ष 2023-24 में इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस द्वारा 11,500 करोड़ रुपए का ग्रॉस रिटर्न प्रीमियम हासिल होने का अनुमानः एच.ओ.सूरी

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। जनरल इंश्योरेंस सेगमेंट में इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस ने विशेष स्थान हासिल किया है। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन और भावी योजनाओं के संबंध में बिजनेस रेमेडीज की टीम ने कंपनी के एमडी और सीईओ एच.ओ.सूरी से चर्चा की। यहां पर उनसे हुई चर्चा के संपादित अंश प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

वित्तीय वर्ष 2023-2024 की पहली तिमाही में इफको टोकियो का वित्तीय प्रदर्शन कैसा रहा?

एच.ओ.सूरी: इफको-टोकियो जनरल इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2023 में 10,000 करोड़ रुपये का ग्रॉस रिटन प्रीमियम का माईलस्टोन हासिल किया है और वित्तीय वर्ष 2023-2024 की पहली तिमाही में इफको टोकियो ने बेहतर वित्तीय प्रदर्शन करते हुए 2,693 करोड़ रुपए का ग्रॉस रिटन प्रीमियम हासिल किया है।

आने वाली तिमाहियों के लिए वित्तीय परिणामों के संदर्भ में क्या मार्गदर्शन है?

एच.ओ.सूरी: कंपनी लाभकारक क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों में वृद्धि को देखते हुए वित्त वर्ष 2023-24 में 14.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 11,500 करोड़ रुपए का ग्रॉस रिटन प्रीमियम हासिल करने का अनुमान व्यक्त करती है। इफको टोकियो टियर 2, 3 और 4 शहरों में व्यवसाय विकास को मजबूत करने का अपना प्रयास जारी रखे हुए है। स्थायी और लाभकारक व्यवसाय वृद्धि प्राप्त करने के उद्देश्य से कंपनी का लक्ष्य खुदरा स्वास्थ्य व्यवसाय, सहकारी बैंकों और एजेंसी चैनल में और विस्तार करना भी है।

एच.ओ.सूरी
एमडी और सीईओ, इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस

कंपनी द्वारा किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डालें?

एच.ओ.सूरी: मुख्य व्यवसाय के विकास पर निरंतर ध्यान देने के साथ वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी के वार्षिक व्यावसायिक लक्ष्यों की उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा विभिन्न पहल और उपाय किए गए हैं। लाभकारक वृद्धि सुनिश्चित करने, आंतरिक स्वास्थ्य दावा प्रक्रिया को मजबूत करने और बेहतर ग्राहक संतुष्टि के लिए प्रक्रिया के डिजिटलीकरण को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी ने मोटर और स्वास्थ्य व्यवसाय के लिए बिजनेस सोर्सिंग का पुनर्गठन किया गया है। कंपनी आबादी के अंतिम मील तक बीमा के प्रसार और पहुंच को बढ़ाने के लिए गांवों और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसाय और सक्षम व्यवसाय की वाणिज्यिक लाइनों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी द्वारा ग्रामीण भौगोलिक क्षेत्रों और टियर 2, 3 और 4 शहरों तक विस्तार और पहुंच बनाने पर जोर दिया जा रहा है और कंपनी ने अमरते बीमाकेंद्रों (ईबीके) को सुदृढ़ किया है। ये ईबीके काफी विकसित हो गए हैं और सभी क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरे देश में स्थापित हुए हैं।

कंपनी ने सामान्य बीमा के बारे में जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए क्या प्रयास किए हैं और इस संबंध में कंपनी की भावी योजनाएं क्या हैं?

एच.ओ.सूरी: यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश की शहरी और ग्रामीण आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हैं और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं व उनके लाभों के बारे में जागरूकता बहुत महत्वपूर्ण है, कंपनी अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को आम जनता के बीच ग्राहक शिक्षा और बीमा जागरूकता के लिए एक प्रभावी उपकरण के रूप में उपयोग करने का इरादा रखती है। हमारी कंपनी माइक्रोइंश्योरेंस उत्पाद बेचती है जो हमारे ईबीके नेटवर्क के माध्यम से टियर 2, 3 और 4 शहरों में ग्रामीण आबादी के लिए किफायती हैं और साथ ही हमारी कंपनी जनता को सरकारी स्वास्थ्य योजना के तहत भी लाभ देने के लिए भाग ले रही है। यह न केवल जमीनी स्तर पर बीमा के बारे में जागरूकता फैलाता है बल्कि लोगों को बीमा योग्य जोखिमों से भी बचाता है।

बढ़ती बीमा जागरूकता और '2047 तक सभी के लिए बीमा' की दिशा में अन्य रचनात्मक विनियामक परिवर्तनों के साथ देश को बीमा पैठ में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का नेतृत्व करने का अनुमान है और यह बीमा सेगमेंट को अधिक निवेश अनुकूल बनाने में सहायता करेगा।

कंपनी का ध्यान सभी प्रकार के व्यवसाय विकास पर होगा, जिसमें खुदरा स्वास्थ्य के साथ-साथ बड़े कॉरपोरेट्स के लिए नई जोड़ी गई मूल्यवर्धित सेवाओं और ग्रामीण ग्राहकों के लिए सूक्ष्म बीमा उत्पादों के विस्तार पर विशेष जोर दिया जाएगा।

पतंजलि योगपीठ तथा भारतीय सेना के मध्य महत्वपूर्ण एम.ओ.यू. पर हुए हस्ताक्षर

योग, आयुर्वेद चिकित्सा एवं वेलनेस, सैनिक भाइयों की स्वास्थ्य रक्षा, आयुर्वेदिक अनुसंधान व सूचना एवं प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्र में साथ कार्य को लेकर बनी सहमति

बिजनेस रेमेडीज।

राष्ट्र की सीमाएं जिनके पुरुषार्थ और तप से सुरक्षित हैं उन पराक्रमी सैनिकों की सेवा के लिए हम उनका कुछ भी उपकार कर पाए, यह हमारा सौभाग्य होगा। इसी भाव के साथ सेना मुख्यालय, उत्तर भारत क्षेत्र, बरेली हेडक्वार्टर में भारतीय सेना तथा पतंजलि योगपीठ के मध्य विविध विषयों पर केन्द्रित एक महत्वपूर्ण एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए। इस गौरवशाली क्षण में पतंजलि और से पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण जी तथा भारतीय सेना से लेफ्टिनेंट जनरल एन.एस. राजा सुब्रामणी (जी.ओसी इन सी सेंट्रल कमांड), लेफ्टिनेंट जनरल आर.सी. तिवारी (जी.ओसी उत्तर भारत क्षेत्र), ब्रिगेडियर अमन आनंद (कमांडर, मुख्यालय 9 स्वतंत्र माउंटेन ब्रिगेड ग्रुप), मेजर विवेक जैकोब (CLAW global) उपस्थित रहे। इस एम.ओ.यू. के अन्तर्गत योग, आयुर्वेद चिकित्सा एवं वेलनेस के क्षेत्र में, हमारे सैनिक भाइयों की स्वास्थ्य रक्षा हेतु आवश्यक आयुर्वेदिक दवाइयों के अनुसंधान के क्षेत्र में, जैव विविधता के अनुरूप उच्च हिमालयी क्षेत्रों में जीवन रक्षक पेड़ पौधों पर अनुसंधान के क्षेत्र में, सेना में सूचना एवं प्रौद्योगिकी से लेकर ऑटोमेशन के विभिन्न प्रयोगों के क्षेत्र में साथ मिलकर महत्वपूर्ण कार्य किया जाएगा। साथ ही पतंजलि की सहयोगी संस्थाओं द्वारा सेवानिवृत्त सैनिक भाइयों को प्राथमिकता के आधार पर सेवा कार्यों में नियुक्ति देने पर विचार किया जाएगा। इस परिचर्चा में पहाड़ों से पलायन रोकने व सीमाओं की रक्षा के लिए VIBRANT Village आदि को बढ़ावा देकर तथा रोजगार के लिए Adventure आदि में संसाधनों को पैक करने इत्यादि विषयों पर भी दोनों पक्षों में सहमति बनी। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि हमें गर्व भी है और जिम्मेदारीपूर्ण अनुभव भी है कि इस कार्य को पूर्ण करने में तथा राष्ट्र के प्रति अपनी कृतज्ञता को ज्ञापित करने में पतंजलि कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा।

अमेज़न और डीजीएफटी ने एक्सपोर्ट हब्स के रूप में जिले पहल का लाभ उठाने और भारत से एमएसएमई निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किया समझौता

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली। अमेज़न इंडिया ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सक्षम बनाने और देश से ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के संबंध में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इस एमओयू के हिस्से के रूप में, अमेज़न और डीजीएफटी, डीजीएफटी द्वारा चिह्नित 75 जिलों में चरणबद्ध तरीके से, एमएसएमई के लिए क्षमता निर्माण सत्र, प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का सह-संचालन करेंगे, जो मार्च 23 में पेश विदेश व्यापार नीति में उल्लिखित एक्सपोर्ट हब्स के रूप में जिले पहल के अंग हैं। इस पहल का उद्देश्य है, ग्रामीण और दूरदराज स्थित जिलों में स्थानीय उत्पादकों को ग्लोबल सप्लाय चेन से जोड़ना। संतोष सारंगी (डीजीएफटी के अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक), चेतन कृष्णास्वामी (उपाध्यक्ष, पब्लिक पॉलिसी - अमेज़न) और भूपेन वाकणकर (निदेशक, ग्लोबल ट्रेड - अमेज़न इंडिया) की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।अमेज़न और डीजीएफटी, एमएसएमई को ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट के बारे में शिक्षित करने और उन्हें दुनिया भर में ग्राहकों को बेचने में सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। अमेज़न कई तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाताओं तक पहुंच में मदद करेगा, जिनके साथ एमएसएमई इमेरिजिंग, अपने उत्पादों की डिजिटल कैटलॉगिंग, टैक्स सलाह जैसी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए जुड़ सकते हैं। इससे भारतीय उद्यमी अपने ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट बिज़नेस और ग्लोबल ब्रांड बना सकते हैं।

संतोष सारंगी, डीजीएफटी के अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक - 'एक्सपोर्ट हब्स के रूप में जिले पहल, हर जिले को एक्सपोर्ट हब में परिवर्तित करने के माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण का क्रियान्वयन है। हम देश भर में हर जिले की क्षमता का लाभ उठाने और एमएसएमई, किसानों और छोटे उद्योगों को विदेशी बाजारों में एक्सपोर्ट के अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकारों और निजी कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। डीजीएफटी इन जिलों से ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए, जिलों में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सत्र आयोजित करने के लिए विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ सहयोग कर रहा है। विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ इस तरह के पहले सहयोग में, डीजीएफटी 2030 तक भारत से 200-300 बिलियन डॉलर के ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम बनाने के हमारे लक्ष्य की दिशा में एक कदम के तौर पर अमेज़न के साथ सहयोग कर रहा है।

अमेज़न इंडिया में ग्लोबल ट्रेड के निदेशक भूपेन वाकणकर ने कहा, 'हमारा दृढ़ विश्वास है कि टेक्नोलॉजी को अपनाने से पूरे भारत में लाखों एमएसएमई के लिए निर्यात के अवसर खुलेंगे और एफटीपी-23 में ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट पर हाल में जोर दिया जाना, टेक्नोलॉजी-एनेबल्ड एक्सपोर्ट की गतिविधियों के लिए एक आशाजनक दौर की शुरुआत है। हम डीजीएफटी के साथ इस सहयोग को लेकर उत्साहित हैं और हम वास्तव में भारतीय एमएसएमई और उद्यमियों को मजबूत ग्लोबल ब्रांड बनाने में मदद करने में अपनी भूमिका निभाने को लेकर उत्सुक हैं। हम हर स्तर के व्यवसायों के लिए एक्सपोर्ट को सरल और अधिक सुलभ बनाने पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं क्योंकि हम 2025 तक भारत से 20 बिलियन डॉलर के कुल ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट को सक्षम बनाने के अपने लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं।

समाचारिकारी सुरक्षक व प्रकाशक सुनीत जैन द्वारा 65/18, हीरा पथ, मानसरोवर, जयपुर से प्रकाशित एवं आकाशदीप प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स सेक्टर न.1, अशोक मार्ग मानसरोवर जयपुर-302020 जयपुर से मुद्रित। संपादक : सुनील जैन मो. 9829106227, "समस्त पत्र व्यवहार के लिए पीआरबी एक्स के नाम डिलीवरी आर.एम.आई.बी. नं.: RAJHIN/2013/54966, पोस्टल रजि. नं. जयपुर सिटी/006/2021-23, E-Mail: remediesbusiness@gmail.com, businessremedies@yahoo.com